

नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिजिनेस, बिजिनेस
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८८७९२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २१७ वि.सं. २०८२ फागुन १८ गते सोमवार थारु सम्बत (२६४९)

[Monday 02 March 2026]

(मोल रु. ५ | - पेज ४)

हरेक निर्वाचनमे लालपुर्जाके आश्वासन

सार्वजनिक स्थानमे दुरहेरी नैखेलैपैना

पहुरा समाचारवाता
भजनी, १७ फागुन । दुई दशकसे कैलालीके टीकापुरके एकतानगर सुकुम्बासी शिविरमे बैठटी आइल राजु विकके चाहना अक्केठो बा लालपुर्जासहितके जग्गा प्राप्ति । जग्गाजमिन नैहोके वर्षौसे घरबासके आशामे बैठल उहाँके उ आशा अभिन पूरा हुइ सेकल नैहो । हरेक निर्वाचनमे लालपुर्जाके आश्वासन पैटी आइल उहाँके सपना पूरा कैना कोइ सेकल नैहो ।

विसं २०६४ से हरेक निर्वाचनके बेला लालपुर्जासहितके आवास उपलब्ध करैना बटाइल राजनीतिक दल, नेता तथा उम्मेदवार हरेक निर्वाचनमे खाली बस्तीमे आइबर राजु मन खिन्न हुइना करल बटैटै । हरेक निर्वाचनमे भोटके लाग सककु उम्मेदवार प्रमुख एजेन्डा बनैलेसे फेन पूरा करइया उम्मेदवार कोइ नैरहल उहाँके धारणा बा ।

“आघेपाछे सुनसान हुइना सुकुम्बासी बस्तीमे इ बेला चहलपहल रहल बा । एकपाछे औरै राजनीतिक दल ओ उम्मेदवार बस्तीमे आश्वासन बँट्टी भोट मगटी आइल बटै”, उहाँ कहलै, “हम्रे प्रश्न करेबर उम्मेदवारसँग विश्वास कैना जवाफ नैरहत् । वर्षौके जवाफ लालपुर्जा डेना किल हो । उ जवाफसे सार्थकता नैपाके कटरा बरस अस्टेक बैठे पर्ना हो कना चिन्तासे सटाइत् ।”

लालपुर्जा पैना आसमे वर्षौसे भूमिहीन, सुकुम्बासी, दलित ओ



अव्यवस्थित बसोबासीहुकनके हरेक निर्वाचनमे मतदान कैटी आइल बटै । जिल्लाके तथ्यांक हेरेबर फेन फन्डै डेढ लाख परिवार भूमिहीन सुकुम्बासी, दलित ओ अव्यवस्थित बसोबासी उम्मेदवारसे आश्वासन डेहल भरमे उ उम्मेदवारहे जिटैटी आइल विगतके निर्वाचनसे फेन पुष्टि कैटी आइल बा । घोषणापत्रमे भूमिहीन सुकुम्बासी, दलित ओ अव्यवस्थित बसोबासीहे जग्गाधनी पुर्जा डेना एजेन्डाहे प्राथमिकतामे राखके उम्मेदवार कैयौचो चुनाव जिटलेसे फेन सुकुम्बासीके पुर्जा पैना सपना पूरा हुइ सेकल नैहो ।

दुई दशक आघे बाजुरामे पहिरोके

कारण विस्थापित होके टीकापुर सुकुम्बासी शिविरमे बैठटी आइल बालिका सिंहहे उम्मेदवारके आश्वासनमे अक्कोफेन भरोसा नैहो । वर्षौसे लालपुर्जाके आश्वासन डेके गैल नेता चुनावके समयमे किल मुह डेखाइ अइना करल उहाँके कहाइ रहल बा । “आजकल भोट चाहना हुइल ओरसे अइना जैना हुइल बा ।” उहाँ कहलै, “बर्खाके समयमे हिलामे सडक बनेबर, माटीक घर डुबेबर कोइ नैआइत् । चुनाव ओराइलपाछे जनताहे का समस्या बा कहिके कोइ नैआइत् ।” गर्मीयाम सुरु हुइलसँगे शिविर बस्तीमे हुरीबताससे घरसँगेके सुखल रुखा कौनसमय घरमे गिरत् कना त्राससे

रातभर जाग्राम बैठे पर्ना पीडा जीविते रहल उ क्षेत्रके नागरिकके गुनासो रहल बा । “घरक आघे सुखाइल रुखा कौन बेला ढलत् पटा नैहो । हुरीबतास आइल बेला ओस्टेक रुखा ढलके बसेनि मनैके ज्यान जैटी रहल बा”, बिन्द्रा चौधरी कहली, “पीडा सुनाऊ कलेसे कटरा बा कटरा, सुनडेहुइया कोइ नैहो । उ पीडा सम्बोधन करडेहुइया फेन कोइ नैहो । सककु जनहनहे अपने स्वार्थ पूरा करे पर्ना बा ।”

गत बरस एकतानगर शिविरमे बैठटी आइल जवारा विकके घर आघेक रुखा हुरीबताससे ढलल् । धन्न दिनके समयमे सुखाइल रुखा(बाँकी ३ पेजमे)

कञ्चनपुर, १७ फागुन । दुरहेरी टिहवारके अवसरमा अमर्यादित, उच्छृंखल, अवाञ्छित तथा गैरकानुनी गतिविधि नैकैना जिल्ला प्रशासन कार्यालय आग्रह करले बा ।

सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी मोहनचन्द्र जोशीसे सार्वजनिक स्थानमे होहल्ला, जुलुस, भीडभाड, मदिरा सेवन तथा बिक्रीवितरण, जबर्जस्ती रड लगैना, फोहर पानी छिट्ना जैसिन कार्य करइयाहे प्रचलित कानूनअनुसार कारबाही हुइना बटैलै ।

आसन्न प्रतिनिधिसभा सदस्य निर्वाचन २०८२ हे लक्ष्य कैटी लागू करल निर्वाचन आचारसंहिता, २०८२ के परिच्छेद ४ के दफा १३९घ० अनुसार जुलुस वा आमसभामे सहभागी हुइना तथा प्रचारप्रसारमे संलग्न व्यक्ति राजनीतिक दल वा उम्मेदवारके निर्वाचन चिह्नअंकित लोगो, स्टिकर, टिसर्ट,

लागुऔषधसहित दुई जाने पक्राउ

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, १७ फागुन । कैलाली ओ कञ्चनपुरसे एक/एक करके दुई जाने पक्राउ परल बटै ।

धनगढी उ.म.न.पा.२ नल्काघाट स्थितसे घोडाघोडी न.पा.१ बैठना बर्ष २९ के किरण चौधरीहे ४ ग्राम ६७० मिलिग्राम अवैध लागुऔषधसहित पक्राउ करले बा । प्रहरी चौकी त्रिनगर कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेहल हो ।

टोपी, भोला, गम्छालगायत सामग्री प्रयोग करे नैपैना व्यवस्था रहल उहाँ उल्लेख करलै ।

उहे प्रावधानअनुसार दुरहेरीके अवसरमे निर्वाचन चिह्न वा उम्मेदवारके तस्बिरअंकित सामग्री प्रयोग करलमे फेन कारबाही कैना जनाइल बा । धार्मिक तथा सांस्कृतिक पर्वहे सभ्य, सुरक्षित ओ मर्यादित रूपमे मनैना आग्रह करल बा । औरैक इच्छाविपरीत रड लगैना, लोला मर्ना, पानी छिट्ना तथा सार्वजनिक शान्ति भंग कैना कार्य नैकैना सचेत कराइल बा ।

कानूनविपरीतके गतिविधि हुइलेसे प्रचलित कानून ओ आचारसंहिता अनुसार कडा कदम चल्ना प्रशासनसे स्पष्ट परले बा । शान्ति, सुरक्षा ओ सामाजिक सदभाव कायम रखना सककु नागरिकहे जिम्मेवार ढंगसे पर्व मनैना अनुरोध करल बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुरके भीमदत्त न.पा.२ भासी स्थितसे वेदकोट नगरपालिका वडा नं.१ बैठना बर्ष २३ के बाल चन्द्र धामी ओ भीमदत्त न.पा.४ बैठना बर्ष २१ के अभिषेक चन्दहे १ ग्राम८१ मिलिग्राम अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित अस्थायी प्रहरी पोष्ट भासी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेके आवश्यक अनुसन्धान कैटी रहल बा ।

नवजीवन अस्पतालके २०औं वार्षिकोत्सव

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, १७ फागुन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके अस्थायी राजधानी धनगढीमे निजी स्तरके लगानीसे सञ्चालित नवजीवन अस्पताल स्थापनाके २०औं वर्ष पूरा करले बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर ४ उत्तर बेहडीमे २०६२ साल फागुन १७ गते स्थापना हुइल निजी क्षेत्रके प्रदेशके पहिल अस्पताल नवजीवनसे विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करटी रहल बा ।

२०६२ सालमे १५ शैय्यासे सुरु हुइल नवजीवनसे २०६८ सालसे ५० शय्या सञ्चालनके अनुमति पाइल रहे । स्वास्थ्य सेवा विभागसे ५० शैय्या सञ्चालनके अनुमति पाइल नवजीवनसे २०७९ क्वैरसे एकसय शैय्यासे उपचार सेवा प्रदान करटी रहल बा ।

अस्पतालमे टमान मेरके सेवा सञ्चालन, उपचार सेवाके अतिरिक्त शैक्षिक कार्यक्रम समेत सञ्चालन कैटी आइल अस्पतालमे २४ सै घण्टा उपचार सेवा डेटी रहल अस्पतालके निदेशक डाक्टर विदुरमणि ढकाल बटैलै । उहाँ हाल एकसय शय्या क्षमतामे उपचार प्रदान करटी रहलमे अस्पतालमे थप सेवा सुविधा थप्टी जैना समेत बटैलै ।

निजी लगानीसे सञ्चालित नवजीवन अस्पतालसे सामाजिक उत्तरदायित्व बहन कैटी नेपाल सरकारसँगेके सहकार्यमे टमान स्थानमे

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन कैटी आइल बा । अस्पतालसे आमा सुरक्षा कार्यक्रम, खोप कार्यक्रम क्षयरोगके विरामीके निःशुल्क औषधि वितरण लगायतके उपचार सेवा प्रदान कैटी आइल जनैले बा । अस्पतालसे प्रदान करटी आइल डाइलासिस सेवाहे १० बेडके बनैना जनैले ।

ओस्टेक करके उहाँ नवजीवन अस्पतालके अपने लौव सुविधा सम्पन्न भवनमे सेवा सुचारु कैना जनागिल बा ।

अस्पतालसे एक बरसके अवधिमे करिब ५० हजार ८०८ जाने विरामी उपचार सेवा पैले बटै । अस्पतालसे आव २०८१ फागुन से २०८२ माघ मसान्तसम्म एक बरसमे अस्पतालसे उ संख्यामे विरामी उपचार सेवा पाइल हुइत् ।

अस्पताल भिदुर तथा टमान स्थानमे सञ्चालित स्वास्थ्य शिविर मार्फत ६ हजार ३४८ जनहनहे निःशुल्क सेवा डेहल मेडिकल डाइरेक्टर डा । ढकाल जानकारी डेलै ।

ओस्टेक अस्तालसे दुईहजार ७५ जनहनहे निःशुल्क सुत्केरी सेवा ओ तीन हजार २३९ जाने बालबालिकाहे निःशुल्क खोप फेन डेहल जनैले बा । साथे अस्पतालसे इमरजेन्सीसे चार हजार ३३६ जाने, बहिरंगसे ३५ हजार ८ ओ अन्तरंगसे ६ हजार १५० जाने विरामीहे सेवा डेहल जनैले बा ।

उहे अवसरमे अस्पतालसे आपन वार्षिकोत्सवके अवसरमे रक्तदान ओ

विरामीहे फलफुल वितरण फेन करल जनाइल बा ।

अस्पतालमे डिप्लोमा तहके नर्सिङ, सामान्य चिकित्सा ओ फार्मसीके अध्यापन हुइना करल बा । अस्पतालमे हरेक दिन हाइजोनी विशेषज्ञ सेवा, प्रसूति तथा महिला रोग विशेषज्ञ सेवा, विशेषज्ञ बालरोग सेवा, जनरल तथा ल्याप्रेस्कोपिक सर्जन विशेषज्ञ सेवा सञ्चालनमे रहल बा ।

ओस्टेक, विशेषज्ञ मानसिक तथा स्नायु रोग सेवा, पेट, छाती तथा मुटुरोग विशेषज्ञ सेवा, एनेस्थेशियोलोजिस्ट एवं क्रिटिकल केयर सेवा, विशेषज्ञ मुटुरोग सेवा प्रदान हुइटी रहल जनाइल बा ।

वार्षिकोत्सवके अवसरमे आयोजित पत्रकार सम्मेलन कार्यक्रममे प्रबन्धक चक्र कठायत, डाक्टर ओ संचालक योगेन्द्र ओभालगायतके सहभागिता रहे । कार्यक्रम संचालन सूचना अधिकारी राजेश पाण्डेय करल रहिहत् । वार्षिकोत्सवके अवसरमे रक्तदान कार्यक्रम ओ विरामीहुकनहे फलफुलफे वितरण कैगिल बा ।

वार्षिकोत्सवके अवसरमे आयोजित पत्रकार सम्मेलन कार्यक्रममे प्रबन्धक चक्र कठायत, डाक्टर ओ संचालक योगेन्द्र ओभालगायतके सहभागिता रहे । कार्यक्रम संचालन सूचना अधिकारी राजेश पाण्डेय करल रहिहत् । वार्षिकोत्सवके अवसरमे रक्तदान कार्यक्रम ओ विरामीहुकनहे फलफुलफे वितरण कैगिल बा ।

थारु समुदायमे होली

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

संस्थापक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी संस्थापक : राम दहिति (९८४८४९४५४८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुडा संस्थापक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापक सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहिति (९८५२६४९६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस नगरपालिकाको वडा नम्बर ५ गेटा स्थित कित्ता नं. १४६९ क्षेत्रफल २५४ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कल्पना ठगुनाले यस नगामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: रामचन्द्र राना पश्चिम: सडक

उत्तर: रंगुलाल राना दक्षिण: रामलाल राना

गोदावरी नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, उत्तरिया, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ स्थित कित्ता नं. ७७७ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मनिशा पालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: सडक पश्चिम: लक्ष्मी साउँद

उत्तर: जीतबहादुर थापा दक्षिण: कमला जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ स्थित कित्ता नं. ७७८ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कमला जोशीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: सडक पश्चिम: लक्ष्मी साउँद

उत्तर: मनिशा पाल दक्षिण: मनिशा खड्का

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिविशनल आईडि सेन्टर

दश चालक बना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक ज्ञान देना प्रयास हाम्रो, सफलता अपनौंके ।
सीप सिक्की, स्वरोजगार बन्नी विद्यार्थी ओ गुणमे अउईयाहुन्नहे विशेष छुटसहित...
हाम्रो यहाँ दश प्रशिक्षकहरुनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ आईडिडि सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: साथै दुरसे अउईया विद्यार्थीके लाग दैना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्नु सिकाह विद्यार्थीहरुके सम्पर्क नैना सहर्ष जानकारी कराहौ ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो. ९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

पिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपननेनके फे लिखके पठाइ सेकिठ । अपनके विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पकि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।
-सम्पादक

समय गतिवान बा हरपल हर क्षण विटट जाइत बा । समयके साथ साथै हर चीजमे परिवर्तन होइत चली आइत बा । एक दिन दुई दिन करते करते समयके चक्र साथ साथै होली (फगुवा) तिउहार भी हम्मनके घर अंगनामे आगइल बा । थारु समुदायमे तमान तिउहार आइते बा जइतेबा हर तिउहारके आपन आपन महत्व आउर मूल्य मान्यता रहल बा । उहे किसिम हम्मन सबके घर घरमे हर्ष उल्लासके साथ होली पर्व भी आगइल बा । ई तिउहार आपन आपन जात जातीमे आपन आपन मूल्य मान्यता बा आउर अपने अपने रङ डङसे मनाएलन । हम्मन थारु समुदायमे भी पूर्वसे लङके पश्चिम तक हेरलजाई ते फरक फरक तरिकासे मनाएलन । प्रसंग होलीके बा होली रंगके त्योहार हो । यी दिन कुल जने रंगके माध्यमसे होली खेलेलन । अपन भित्तरके उल्लासके अभिव्यक्त करलन । खुशी मनालन औ मनके मैलके दूरे हटालन । यी दिन उँच-नीच, जात-पातके कौनो भेदभाव नाइ देखलन । कुल एक समान देखलन, यिहे खर्तिन यी समरसताके पर्व भी हो । होली अपन भित्तरके उल्लासके प्रकट कयना पर्व हो ।

यी दिन मनइ नाचालन-गीत गालन, मिठाइ-पकवान खाके त्योहारके खुशी मनालन । यी दिन बच्चनके लिए विशेष महत्व रक्खत, काहेसे कि यी दिन वोकरहनके खेलेक लिए रंग, पिचकारी आदि दइ जात औ रंग खेलेक वोकरहन पूरा छूट मिलत । कपिलवस्तु जिल्लाके थारु समुदाय भी फगुवा आपने तौर तरिकासे मनाएलन । होलीसे एक दिन पहिले सन्धक होलिका दहन मनाइल जात । हिन्दू पंचाङके अनुसार- संवत्सरके अन्तिम महिना 'फागुन' मासके पुर्णिमाक होलिका दहन कइ जात औ वोकर दुसर दिन होली खेल जात । यी एक मेरके संवत्सरके वोइलेक खुशीमे भी मना जात, ताकि होलिका दहनके साथे मनइ अपन विकारके शमन करे औ अच्छा भावके साथ नवसंवत्सरके तैयारीमे जुटे । होलिका दहनके 'नवान्नेष्टि यज्ञ पर्व' भी कहलन, काहेसे कि यी दिन खेतवामे पाकके आइल नया अन्नके होलिका दहनके अर्निम हवन कइके प्रसाद लेहेक परम्परा भी बा । यी अन्नके होला कहलन । यिहेसे यी पर्वके नाम 'होलीकोत्सव' पडल बा ।

सबसे पहिले सम्मद भदारेलन, सम्मद भदारके सम्मद जरएना दिन पचघोइती मांगेलन पचघोइतीमे भेली, चाउर उठाएलन, कन्डा, कर्सी भी उठाएलन, उठाके होलिकाके दहन जेकर दाई बाबा बीत गैल बाटन वा नाइ बाटन ओकर हाथेसे सम्मदके जराएलन । सम्मदके दहन करेक बेर तील, जौ, गोंहक लाठी लहरमे कराएलन । लङकनके पहिरल कपडा, भी सेकाई करे लन जेकेसे लङकनके रोग दोख दूर होइजाइ कहिके मूल्य मान्यता रहल बा । ओकर विहान उठ जरल कन्डा, कर्सीके राखी लैजाके कोटियामे, देवीथानमे जाके राखी चढएना पूजा

कयना चलन बा । सब घरेक देवी देवता चन्चाइन माई, दनुवा देवता, मुडहा देवता, घरेक देवी देवता, पितरलोगनकेहे राखी लगाके पूजा पाठ कयना चलन रहल बा । सब रोग दोख दूर होए कष्ट दूर होए घर घरमे खुशियाली छाप कहिके पूजा पाठ कयना चलन रहल बा आउर मनोकामना पूरा होइत कहिके जनमानसमे विश्वास रहल बा । घरके सब जने एक आपसमे बडी प्रेम भावसे सातो रङसे होली खेलके मेल मिलाप कयना, आपन मनमे रहल कलमष कषायके हटाके एक

वोकरे पुत्र प्रहलाद जन्मसे भगवान विष्णुके परम भक्त रहे औ हरदम वोनके ध्यान, स्मरण करे ।

यी बात हिरण्यकश्यपुके सहन नाइ होइल । उ भक्त प्रहलादके किसिम-किसिमके यातना देहल औ वोके मार देहेक तमाने प्रयास कइल, बकिन भक्त प्रहलाद हर बेर वोकेसे ऐसे बचत चल जाए, जइसे कि वोकरे कुछ नाइ होइल हो । हिरण्यकश्यपुके बहिनिया होलिका आगीसे नाइ जरेक वरदान पडले रहे । उ रोज आगीमे नहाए बकिन नाइ जरे ।



श्याम सिदी

होलीक हुडङगमे मनइनके कपडा फारेक, वोकरहन हिल्ला-किच्चामे गिरएना या नहुवैना-एक अशोभनिये ब्यवहार लेखा होत, जेके केउ नाइ मन परात, बकिन फिर भी मनइ ऐसन करलन औ 'बुरा न मानो होली है' कहिके वोके बढावा देहलन । होलीक हुडङगके फायदा उठाके समाजमे अमानवीय विकृति मुडी उठात औ खुलेआम असहनिय या शरमनाक घटना होत । यी कुल कृत्य होलीक त्योहार पर लागल दाग हो जउन कब्बो नाइ छुटत औ एके बेरंग बना देहत । बहुतेसे मनइ होलीक पर्वपर यिहे कारण अपन घरसे नाइ निकरलन औ अपन सामुहिक सहभागिता नाइ निभालन । होलीक त्योहारमे हम्मन सबके यी दायित्व हो कि होलीक रंगके बदरंग न कइल जाये । अइसन होली, खेली जेकेसे हम्मन समाज तमान रंगसे सुशोभित होइ जाए । होली खेललेसे हम्मनके कुल चिन्ता हम्मन तनावसे दूर होइ जाए । जउन मेर खेल खेललेसे मन प्रसन्न होए, उहे मेर होली खेललेसे मनमे प्रफुल्लता आए, जीवनमे उत्साह- उमड बिखरे औ होलीक पर्व हम्मन मनमे उल्लासके नाइ मेटनहा छाप छोडे । यी दिन हसी मजाक ते कइल जाए, बकिन केकहियो मजाक न बनाइल जाए । केकरो दिलके न दुखाइल जाए । केकरो कउनो मेरके क्षति न पहुचाइल जाए, बल्कि क्षतिपूर्तिक भरपाइ कइल जाए । यदि अइसन नाइ होए सेकिते- हम, हमार आस्था- मान्यताके प्रतिक आए वाला पीढी एके एक हुडङगके रुपमे समझी औ एकर पाछे नुकाइल उद्देश्यके भुला बड्ठी ।

आपसमे हर्षोल्लासके साथ बडा प्रेमसे होली तिउहार मनाएना प्रचलन रहल बा ।

पौणाणिक कथन:

एकर ऐतिहासिक आउर पौणाणिक हिसाबसे एकर बारेम हेरलजाइ ते अइसन रहलबा । होलीक पर्व हम्मन देशमे प्राचीनकालसे मनात आत बाटन । यिहे कारण समयानुसार तमान पौराणिक आख्यान एकेसे जुडते चल गइल । सबसे प्रमुख आख्यान भक्त प्रहलाद, वोकर बाबा हिरण्यकश्यपु या फुवा होलिकासे सम्बन्धित बा । हिरण्यकश्यपु राक्षस लोगनके राजा रहे । उ अहंकारवश स्वयम अपनेक ईश्वर माने लागल औ उ भगवान विष्णुसे मनमे बैर या प्रतिस्पर्धा राखे लागल । उ अपन राज्यमे यी घोषणा कइ देहल कि कुल जने वोकर पूजा करन, केउ भी भगवानके पूजा न करन औ न वोनके नाम लेवन । बकिन

यिहेक खर्तिन हिरण्यकश्यपु अपन बहिनिया होलिका केहे यी आदेश देहल कि उ प्रहलादके लङके आगीमेहे नहाए अर्थात आगीमे लङके बड्ठे । बकिन ऐसे कइलेपर भी प्रहलाद बच गइल, जबकि होलिका आगीमे भस्म होइ गइल । पूहलादके प्रभुक नाम बढियासे बचा लेहल औ वरदान पाइल होलिका तब्बो नष्ट होइ गइल । यी प्रसिद्ध पौराणिक आख्यानके आधार पर तबसे हरेक साल होलिका दहन मनाये लगलन । होलिका हम्मन मनके बैरभावरुपी विकारके प्रतिक हो औ प्रहलाद भक्ति, प्रेमरुपी सद्भावके प्रतिक हो । होलिका दहनमे हम्मन भित्तरके बैरभावरुपी विकारके दहन हो औ भित्तरके सद्भावमे निखार या उभार आए, यिहे भावसे हरेक वर्ष होलिका दहन मना जात ।

थारु समुदायमे होलीके महत्व: हर तिउहार चाड पर्वके आपन

आपन महत्व रहत उहेमेरके थारु समुदायमे होलीके ज्यादा महत्व रहलबा । ई अइसन तिउहार हो जौन कि एक आपसमे रहल तित्ताके मिटाके सात रङसे रङके एक आपसमे प्रेम भावके विस्तार कयना, घर घरमे खुशियाली छापना एक बहुत बडा अवसर हो । सकारात्मक साँचके साथ कौनो भी चीज कइलसे ओकर परिणाम भी सकभर बढिया आइत । उहेमेरके ई तिउहार भी अइसही बा जौनकि हमरे सकारात्मक भावसे, प्रेमभावसे हमरे सब जने मनाईलजाइ ते अवश्य एकर सकारात्मक परिणाम निकरी आउर हम्मन युवा पुस्तामे भी एकर बढियाँ हस्तान्तरण होई ।

होली पर्व मनाएना चलनमे परिवर्तन आउर स्वास्थ्यमे एकर असर:

समयके परिवर्तन साथ साथै होली फगुवा मनाएना चलनमे भी बहुत परिवर्तन होइल बा । कुछ परिवर्तन सकारात्मक पक्ष बा ते कुछ नकारात्मक पक्ष भी रहल बा । होलिका दहनके दुसर दिन होली (फगुवा) खेलेक परम्परा बा, जेहेमे तमान रंगके गुलाल, अबीर आदिके प्रयोग कइ जात । मनइ दुसरेक माथेम वा गालेम अबीर, गुलाल लगाके वोकरहनसे मिललन, खुशी मनालन । यी रंगोत्सवके उद्देश्य अंतरमनमे आइल सद्भावके, उभारके उल्लासके रुपमे मनालन, बकिन समयके साथे यिहे क्रममे कनिकेतना विकृतियो भी समावेश होइ गइल, जइसे बजारमे बेचनहवा रंगमे मेर-मेरके कृतिम रंग प्रयोग होत बा, जेहेमे हानिकारक रसायन होत, जउन कि चेहराके नोक्सान पहुचात । यदि रंग आँखिम चल जाइते एकेसे आँख लाल होइ जात, आँख पिराए लागत । बजारमे बेचनेवाला कुछ रंग अइसन होत, जउन आसानीसे नाइ छुटत औ एके छोडाएक बेर ढेर साबुन पानी ब्यर्थ, बरबाद होइ जात ।

कृतिम रंगके प्रभावसे मुडीक छाला भी प्रभावित होत औ बार भी भरे लागत । येहीसे होली खेलेक दाँड मनइनके यी मेर प्रेरित कइल जाए कि उ प्राकृतिक रंगके भर प्रयोग करन । हरियर रंगके मेहदी, पीयर रंगके हर्दी-वेसन, लाल-नारंगी रंगके लिए कत्था-हर्दीके मिश्रण या लाल चन्दन पाउडर, नीला रंगके लिए नील पेडवक फाराके पाउडर, जकरन्द वा नीलगुडहलके फुलाके पीसके धूरबनाके सुखवाके भी नीला पाउडर बना सकल जाइ सबसे बढिया ते टँसके फुला उपयोग कइ सकल जाइ, जेहेमे नैसर्गिक रुपसे कुल प्रमुख रंगके मिश्रण प्राकृतिक तौरसे (वाँकी ३ पेजमे)

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोडलर मूर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम उलिमरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वेयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शाब्द उर्मावि लग्गे
मो. ९८१६३५६८०

ईपिका अतरीया ०९१-४५०९२२
खिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२९९८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९९४३
ईपिका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईपिका चोमाला ०९१-६९२५७९
ईपिका लम्की ०९१-४४०९९९
ईपिका भजनी ०९१-४८०९९९
ईपिका सुखुड ०९१-४२९९६६
ईपिका मालाखेती ०९१-४५०९२२
ईपिका फल्टरे ०९१-६९०३३०
ईपिका हसुलिया ०९१-४२९९४५
ईपिका पाण्डौल ०९१-४४०९१०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईपिका टीकापुर ०९१-४६०९९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

नेपाल बगलादेश बैंक ०९१-४२९७८५
सिटीजन बैंक ०९१-४७७८८५
कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८
एम्बुलेन्स : ४२९६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५४७५०
विद्युत : ४२९९४५
दिनेश मेटल ०९१-४२९९२२
होटल
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९०९१
जिल्ला विकास .०९१-४२९३३६०
नगरपालिका .०९१-४२९४२९
मालपोत.०९१-४२९०९१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२९२५५, भूमि सुधार.०९१-४२९२५५
जिल्ला हुलाक.०९१-४२९५५५, नेपाल बाल संगठन: ४२९६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२९२७९
नवजिवन ०९१-४२९३३३/४२९७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२९३३५
पदमा धनगढी ०९१-४५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४५०७७७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०९८०८९
घोडाखेडी अस्पताल सुखड ०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०९४०

दमकल १०९
नेपाल डेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२९३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२९३३७, ४२९१७९
एम्बुलेन्स : ४२९६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५४७५०
विद्युत : ४२९९४५
दिनेश मेटल ०९१-४२९९२२
होटल
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९०९१
जिल्ला विकास .०९१-४२९३३६०
नगरपालिका .०९१-४२९४२९
मालपोत.०९१-४२९०९१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२९२५५, भूमि सुधार.०९१-४२९२५५
जिल्ला हुलाक.०९१-४२९५५५, नेपाल बाल संगठन: ४२९६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२९२७९
नवजिवन ०९१-४२९३३३/४२९७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२९३३५
पदमा धनगढी ०९१-४५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४५०७७७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०९८०८९
घोडाखेडी अस्पताल सुखड ०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०९४०

शुक्लाफाँटा आरक्ष विस्थापित २४ बरससे पुनःस्थापनाके पर्खाइमे

कञ्चनपुर, १७ फागुन । हरेक निर्वाचनमे दलके चुनावी एजेन्डा बना करल शुक्लाफाँटा आरक्ष विस्थापितके विषय इ बेरके निर्वाचनमे फेन सक्क दलके उम्मेदवारके चुनावी एजेन्डामे रहल बा । स्थानीय तह निर्वाचनसे संघीय निर्वाचनमे आरक्ष विस्थापितके पुनःस्थापनाके एजेन्डा बन्टी आइल दुई दशक होसेकल बा ।

तत्कालीन शुक्लाफाँटा वन्यजन्तु आरक्ष (हालके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज) विस्तारके क्रममे २०५८ सालमे विस्थापित हुइल आरक्ष विस्थापित अड्डे फेन कञ्चनपुरके टमान स्थानमे शिविरमे बैठटी आइल बटै । एकसय ५० वर्गकिलोमिटर क्षेत्रमे रहल शुक्लाफाँटाका पूर्वी क्षेत्र विस्तार कैंके ३०५ वर्गकिलोमिटर पुगाइल रहे । उक्त क्षेत्र विस्तारके क्रममे विस्थापित हुइल दुई हजार ४७३ परिवार विस्थापित बन्वा किनारमे कष्टकर जीवन जिना बाध्य बटै ।

“अबे फेन नेताहुके आके अपनके पुनःस्थापना करब हमहीनहे भोट उहे परल कहटै”, ढक्का शिविरके आरक्ष विस्थापित वीरसिंह धामी कहलै, “आशवासन ढेर पैली चुनावमे किल हुइ कहटै, ओकरपाछे हमार सुनुवाइ नैहुइटै ।” उहाँ इहीसे आघे पुनःस्थापनाके आशवासनमे चारचो मतदान करसेकल बटै ।

“हमारे पुनःस्थापना हुइ कना विश्वास टे नैहो इ बेर फेन सक्कु पार्टीके

हरेक निर्वाचनमे...

ढल्ल कारण कौनो मानवीय क्षति भर नैहुइल । घरउप्पर रहल रुखवाक हाँगा काटलपाछे जवाराके गोसिया जेल जाइ परल । “घरउप्पर गिरल रुखवाक हाँगा काटेबर मोर गोसिया जेल जाइ परल रहे । रु दुई लाख जरिवाना तिरे परल”, जवारा कहली, “उ पीडा आज फे ताजै बा । हमार पीडा सुनडेहुइया कोइ रहट टे उ बेला कहे सेवटी ।” अफ्यारो परल बेला आपन कोइ नैरहटै ।

टीकापुर नगरपालिकाभिदर नौ सुकुम्बासी, मुक्तकमैया शिविर बावै । लगभग पाँच हजार घरपरिवार वहाँ बसोबास कैंटी आइल बटै । उ बस्तीमे इहीसे पहिलेक निर्वाचनमे उठैटी आइल चुनावी एजेन्डा इ बेर उम्मेदवार फेरले बटै । विसं २०७९ के निर्वाचनमे बसोबास कैंटी आइल क्षेत्रमे पाँच कट्टासम जग्गा उपलब्ध करैना आशवासनसहित सम्भौता करल राजनीतिक दलसे इ बेर भर आवश्यक कानून संशोधन कैंके सुकुम्बासी मुक्तकमैयाहे लालपुजा वितरण कैंना रणनीति अपनैले बटै । प्रमुख राजनीतिक दलके उम्मेदवार आपन चुनावी घोषणापत्रमे कानुनी प्रक्रिया पूरा कैंके सुकुम्बासी मुक्तकमैयाहे जग्गा उपलब्ध करैना प्रतिबद्धता व्यक्त कैंटी आइल बटै ।

“विगतके निर्वाचनसे इ बेरके प्रायः उम्मेदवार सुकुम्बासी मुक्तकमैया बस्तीके विषयमे फेरक रणनीति बनाके भोट मागे आइल बटै ।” उहे ठाउँके विजय चौधरी कहलै, “पहिले चुनाव जिटलेसे लालपुजा डेना बात होए, अबे चुनाव जिटलेसे आवश्यक कानून संशोधन कैंके सक्कु सुकुम्बासी मुक्तकमैयाहे लालपुजा वितरण करब कना आइल बा ।” उम्मेदवार लालपुजा डेना विषयमे रणनीति फेरलेसे फेन घरी घरी विश्वासघात हुइटी आइल ओरसे विश्वास लगना छोरल उहाँ बटैले ।

भूमि समस्या समाधान आयोग कैलालीके अनुसार जिल्लामे एक लाख ४५ हजार ५७२ परिवार जग्गा दर्ताके लाग आयोगके निवेदन भरल बटै । उमध्ये २१ हजार ५४५ जना भूमिहीन, एक लाख १८ हजार ८१३ अव्यवस्थित बसोबासी ओ पाँच हजार २१४ जनहनके निवेदन अधुरो रहल आयोग जनैले बा । वर्षौसे अपने भोगचलन कैंटी आइल जमिनके लालपुजा पाइ पना अडानमे सुकुम्बासी मुक्तकमैया रहल बटै ।



उम्मेदवार पुनःस्थापना कैंना प्रतिबद्धता करले बटै”, धामी कहलै, “राज्यसे हमार समस्याहे गम्भीर रूपमे नैलेहल ।” आरक्ष विस्थापितके लाग सरकारसे घरी घरी कैंके ३३ आयोग बनैलेसे फेन पीडितके समस्या समाधान हुइ नैसेकके उहाँहुके राजनीतिक दल आपनहे भोट बैंक किल बनाइल दुःखेसो कैंटी आइल बटै ।

“आरक्ष विस्थापितके नाउँमे आयोग बनागेल, कार्यकर्ता भर्ती कैंना किल काम हुइटै”, पीडित रामलाल डगौरा कहलै, “३३ आयोग बन्लेसे फेन हमार समस्या समाधान नैहुइल ।” उहाँ आपनहुकनके माग सरकारसे सुरक्षित स्थानमे बसोबासके व्यवस्थापन करे पना रहल बटैले । “हमहीनहे राज्यसे घरवारविहीन बनाइल हो, राज्य नै हमार व्यवस्थापन करे परल”, डगौरा कहलै, “हमरे सरकार ओ राजनीतिक दलसे घरी घरी ठवा पाइल बटै ।”

आरक्ष विस्थापितके व्यवस्थापनके लाग सरकारसे घरी घरी आयोग गठन कैंलेसे फेन उक्त आयोगसे समस्या समाधान कैंनाके सट्टा संख्या किल थपघट हुइना करल आरक्ष विस्थापित बटैले । विस्थापित हुइलपाछे पाँच बरस सडकमे बिटाइल विस्थापितहुके २०६४ सालमे बन्वाके किनार खाली जग्गामे अतिक्रमण कैंके बैठटी आइल बटै ।

“हमरे जब फेन भोटके लाग किल प्रयोग हुइली”, स्थानीय नरेश राना कहलै, “सरकारसे पुनःस्थापना नैकरेबर

अन्धकारमे बैठे परल बा ।” विस्थापितहुके अतिक्रमण कैंके बन्वा किनार खाली जग्गामे बैठल कारण राज्यसे पैना आधारभूत सेवा सुविधासे समेत वञ्चित हुइल उहाँ बटैले ।

आरक्ष विस्थापितके पुनःस्थापना हुइना आसमे २४ बरससे कष्टकर जीवनमा बट्टी रहल रामदास चौधरी बटैले । “जंगली हाठी आके घर भत्काडेते, पुनः भौंप्री बनाइ निकुञ्ज नैडेहल”, चौधरी कहलै, “यहाँ बिजुली बत्ती, खानेपानी कुछ सुविधा नैहो ।” विस्थापितके समस्या समाधानके लाग सरकारसे राज्यकोषसे करोडौँ रूपैयाँ खर्च कैंके फेन अवस्थामे सुधार आइ नैसेकल उहाँके कहाइ रहल बा ।

आरक्ष विस्तारके क्रममे विस्थापित हुइलहे व्यवस्थापन कैंना सरकारसे २०३७ सालमे अमृतमान श्रेष्ठके अध्यक्षतामे आयोग गठन करल रहे । उक्त आयोगसे जग्गाके लालपुजा रहल ६२ परिवारहे ४४४ बिघा जग्गा सट्टाभर्ना डेहल रहे । पाछे २०३८ सालमे सर्वज्ञराज पण्डितके अध्यक्षता ओ २०४२ सालमे युगनाथ शर्माके अध्यक्षतामे बनल आयोगसे दुई हजार १७५ परिवारहे दुई हजार २३० बिघा जग्गा सट्टाभर्ना डेहल डेखजाइटै । विसं २०४४ पाछेक आयोगसे ऐलानी जग्गामे बसोबास करल आरक्ष विस्थापितके लगत सत्तलन कैंना ओ थपघट कैंना बाहेक कौनो काम करल नैडेखजाइटै । सरकारसे २०७१ सालमे पुनरावेदन अदालतके पूर्वन्यायाधीश

DAILO TRAVELS PVT. LTD.

DHANGADHI, KAILALI

नयाँ गाडी दर्ताको लागि इन्ट्री खोलिएको सम्बन्धी सूचना

प्रस्तुत विषयमा हाम्रो यस दैलो ट्राभल्स प्राविमा बेलौरी, धनगढीदेखि विभिन्न स्थानसम्म चलनको लागि तपसिल बमोजिमको नयाँ गाडी दर्ता गर्नका लागि इन्ट्री खोलिएको व्यहोरा सबैमा जानकारी गराइन्छ ।

तपसिल

गाडीको नाम : SRM 11 seater
Range : Minimum 220 km in full charge
माग गाडी संख्या : १५ वटा (Only New)
Contact : 9764417596, 9805612419, 9800656404, 9811694801

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रूपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानुनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानुनी रूपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरूपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

“लैगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

थारु समुदायमे...

विद्यमान बा । यी मेर हम्मनके प्रकृति जउन तमान रंगसे सुशोभित बा, वोकेसे मेर-मेरके रंग तइयार कइ जा सकता औ खुशबुदार- रंगीन होलीक आनन्द उठाये जा सकता ।

होली पर्वमे हम्मन ध्यान देहेक पर्ना पक्ष:

होलीक हुडंगमे मनइनके कपडा फारेक, वोकेहन हिल्ला-किच्चामे गिरएना या नहुवैना-एक अशोभनिये व्यवहार लेखा होत, जेके केउ नाइ मन परात, बकिन फिर भी मनइ ऐसन करलन औ ‘बुरा न मानो होली है’ कहिके वोके बढावा देहलन । होलीक हुडंगके फायदा उठाके समाजमे अमानवीय विकृति मुडी उठात औ खुलेआम असहनिय या शरमनाक घटना होत । यी कुल कृत्य होलीक त्योहार पर लागल दाग हो जउन कब्बो नाइ छुटत औ एके बेरंग बना देहत । बहुतेसे मनइ होलीक पर्वपर यिहे कारण अपन घरसे नाइ निकरलन औ अपन सामुहिक सहभागिता नाइ निभालन ।

होलीक त्योहारमे हम्मन सबके यी दायित्व हो कि होलीक रंगके बदरंग न कइल जाये । अइसन होली, खेली जेकेसे हम्मन समाज तमान रंगसे सुशोभित होइ जाये । होली खेललेसे हम्मनके कुल चिन्ता हम्मन तनावसे दूर होइ जाये । जउन मेर खेल खेललेसे मन प्रसन्न होए, उहे मेर होली खेललेसे मनमे प्रफुल्लता आए, जीवनमे उत्साह- उमड विखरे औ होलीक पर्व हम्मन मनमे उल्लासके नाइ मेटनहा छाप छोडे । यी दिन हसी मजाक ते कइल जाये, बकिन केकहियो

मजाक न बनाइल जाये । केकरो दिलके न दुखाइल जाये । केकरो कउनो मेरके क्षति न पहुचाइल जाये, बल्कि क्षतिपूर्तिक भरपाइ कइल जाये ।

यदि अइसन नाइ होए सेकिने- हम, हमार आस्था- मान्यताके प्रतिक यी महत्वपूर्ण पर्वके मर्यादा बनाएकमे सफल होइ सकब नइते आए वाला पीढी एके एक हुडंगके रूपमे समझी औ एकर पाछे नुकाइल उद्देश्यके भुला बइठी ।

विश्लेषण:

थारु समुदायमे होली पर्व बहुत परापूर्व कालसे मनाइत चली आइत बाटन । पहिले पहिले होली मनाएना चलन फेरक रहल रहे । थारु होली गीत गाइत रहन, महिला तथा पुरुष फाग खेले जाइत रहन । ढोल मजिरा लडके होली गीत गाके बडी धूम धामसे फगुवा पर्व मनाइत रहन । बकिन समयके साथ साथ आजकल ज्यादा परिवर्त होरहलबा । बढियाँ संस्कारके साथ साथे नकारात्मक पक्ष भी ज्यादा हावी हो रहलबा ।

पुरान गीत बास लोप होइत बा, ढोल मजिरा लडके फाग पढना हेराइतबा । जेकर पास जौन ज्ञान गुण रहे सब लोप होइत जा रहलबा उहेक नाते आइल जाय आपन संस्कृति मनायना क्रममे आपन कुसंस्कार आउर कुसंस्कृति हटाके एक बढियाँ संस्कारके स्थापना कइलजाय । आउर संभ्य राष्ट्र समाज, संभ्य समुदाय आउर सम्मुन्नत राष्ट्रके निमाण कइलजाय । सब जने आपन आपन जगहीसे कन्धासे कन्धा मिलाके आगे बढलेसे अवश्य सम्भव होई ।

गाहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुदा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ से घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

रोजगारी डेहुइयाहे बादी समुदायके मत चैनार होरी मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

पहुरा समाचारवाता
घोडाघोडी, १७ फागुन । कैलालीके टमान क्षेत्रमे बसोबास करल बादी समुदाय आपन समुदायके मुख्य समस्या बेरोजगार रहल उल्लेख कैटी रोजगारी सिर्जना कैना उम्मेदवारहे मतदान डेना बटैले बटै ।

कैलालीके लम्कीचुहा, टीकापुर, गोदावरीलगायतके पालिकामे बादी समुदायके बसोबास रहल बा । लम्कीचुहा नगरपालिका-३, बलचौरके रमा बादी उ बस्तीमे २३ जिल्लाके बादी समुदायके बसोबास रहल बटैले । उहाँ बादी समुदायके बसोबासके ठेगान नैरहल अवस्थामे तत्कालीन बादी समुदायके आन्दोलन ओ संघर्षपाछे सरकारसँग सम्झौता हुइलपाछे ढेरके बसोबास टुंगो लगलेसे फेन साँभसकार छक टर्ना समस्या समुदायमे रहल बटैली ।

उहाँ बस्तीमे ढेर बादी समुदायके घर सरकारसे बनेलेसे फेन आभिन कुछ परिवारके घर नैहोके भारतमे रोजगार कैना बाध्य हुइल जनेले । रमा कहली, "पहिलेसे टे ढेर सजिल हुइल बा । लालपुजासहितके घरबास पैले बटी । भारतमे काम करे गैल आभिन घरबासके टुंगो नैहो । मत मागे अउइया सककु उम्मेदवारहे बादी समुदायके परिवारहे नेपालमे काम कैना वातावरण बने परल । क्षमता अनुसारके रोजगारी पाइ परल कहले बटै ।"

बर्दगोरिया गाउँपालिका-१, मुडामे रहल बादी बस्तीमे पुगेबर ढेर घरममे नास्ता पसल राखल देखजाइत् । अधिकांश पसल सुनसान



बावै । ६५ वर्षीय बुन्दी बादी काम नैपाके बस्तीके युवकयुवती सककु कुलतमे लागे लागल बटैले ।

उहाँ कहली, "घरमे चियानास्ता पसल खोल्ले बटी । कोइ नैअइठै, व्यापार नैहो । मोर छावा पट्टहिया भारतमे काम करठै । उहाँहुकनके पठाइल रकमसे खर्च चलैना करल बटी ।" उहाँ बस्तीमे काम नैपाके ढेर युवा लागुओषध, गाँजा खाके नंगना करल बटैली । उहे बस्तीके अनिता बादी बादी समुदायके युवतीहे प्राथमिकतामे राखके रोजगारीके कार्यक्रम आइ पर्ना बटैली ।

पहिले पहिले बादी समुदायसे कैना पुख्यौली पेसा अब्बेक पुस्ता छोरसेकल ओ खेतीपाती कैना जग्गाजमिन नैहुइलपाछे उहाँहुकनहे सिपमे आधारित रोजगारीके व्यवस्था सरकारसे करे पर्ना अनिताके कहाइ रहल बा । उहाँ बस्तीमे भोट मागे खासै उम्मेदवार नैआइल बटैटी मत मागे अउइया सककु जनहनहे रोजगारी डेहुइयाहे भोट डेना

माग रखा बटैली ।

बादी समुदायके अध्ययन कैना २०६४ सालमे गठन करल कार्यदलके अध्ययन प्रतिवेदनमे फेन जमिनदारी प्रथा उन्मूलनपाछे इ समुदाय सहाराविहीन हुइ पुगल, ओकरपाछे जीवन निर्वाहके लाग नाचगान कैना, मागके खैना ओ घुमन्ते जीवन बिटैना विवश हुइ परल ओ 'समुदायमे कुछ प्रतिशत चेलीबेटी जीवन निर्वाहके अन्य विकल्प नैहोके मीठ खैना, मजा लगैना ओ अन्य सुख सुविधाके लाग तथा स्वयम् पुरुषके बाध्यतासे' देहव्यापार पेसा अँगला बाध्य हुइल उल्लेख बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके पूर्वसांसद उमादेवी बादीके अनुसार बादी समुदाय भारतके उत्तर प्रदेशके कुमाउ गढवालसे नेपाल भिटरल हुइत् । सुरुमे नेपालके सल्यान जिल्लामे बसोबास करल घुमन्ते जीवन बिटुइया बादी समुदायके मनै सल्यान जिल्लासे सुर्खेत, बर्दिया, कैलाली, बैतडी, डडेलधुरालगायतके पहाडी जिल्लामे फैलटी गैले ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ के राष्ट्रिय प्रतिवेदन २०७९ अनुसार बादीके जनसंख्या ११ हजार ४७० रहल बा । यन्ने महिला ओ पुरुषके संख्या छुट्याइल नैहो । राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनुसार बादीके कुल संख्या ३८ हजार ६०३ रहे । ओम्ने बादी महिला २० हजार ३०५ ओ पुरुष १८ हजार २९८ रहल जनाइल पाजाइत् ।

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, १७ फागुन । हमार चैनार समूहके आयोजनामे "चैनार होरी मिलन कार्यक्रम" सम्पन्न हुइल बा ।

समूहके अध्यक्ष मुन्नालब कुस्मीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके बर्का पहना थारु अगुवा माधव थारु रहल रहित । कार्यक्रमके पहनामे जित टासन, भिम बिष्ट, हेमन्ता भट्टराई तथा उन्नति चौधरी लगायत रहल रहित । कार्यक्रमके सहभागीहुके होरी मिलन कार्यक्रम मार्फत थारु कला, संस्कृति ओ परम्पराहे जगेना

कैनामे महत्वपूर्ण भूमिका खेला धारणा व्यक्त करल रहित ।

कार्यक्रममे गायक राजु चौधरी राज होली सम्बन्धी थारु गीत प्रस्तुत कैटी सककु उपस्थित दर्शकहे मनोरञ्जन प्रदान करल रहित । ओहकान प्रस्तुतीमे दर्शकहुके भूमल रहित कलेसे कार्यक्रम स्थल नै सांगीतिक माहोलसे रंगल रहे ।

कार्यक्रममे टमान सांस्कृतिक प्रस्तुति, शुभकामना आदान-प्रदान, रंग अर्बिर साटासाट तथा आपसी भेटघाटके कार्यक्रम समेत हुइल रहे ।

निर्वाचनको समयमा सामाजिक सञ्जाल प्रयोग गर्दा ध्यान दिऔं ।

- ❖ गलत, भ्रामक वा द्वेषपूर्ण सूचना प्रवाह गर्न वा गराउन हुँदैन ।
- ❖ कृत्रिम बौद्धिकता (आर्टिफिसियल इन्टेलिजेन्स - एआई) को प्रयोग गरी वा नगरी निर्वाचनलाई प्रभाव पार्ने उद्देश्यले होच्याउन, दुष्प्रचार गर्न, द्वेषपूर्ण भाषण (हेट स्पिच) जस्ता भ्रामक टिकाटिप्पणी गर्न वा गराउन हुँदैन ।
- ❖ निर्वाचनलाई प्रतिकूल प्रभाव पार्ने वा अबरोध गर्ने गरी विचार राख्न, प्रचारप्रसार गर्न, कुनै विधुतीय सामग्री उत्पादन गर्न तथा सामाजिक सञ्जालमा पोष्ट, रिपोष्ट, शेयर, कमेन्ट वा प्रतिकमेन्ट, लाइभ स्ट्रिमिङ, ट्याग वा मेन्सन गर्न र गराउन हुँदैन ।
- ❖ निर्वाचनमा प्रतिकूल प्रभाव पार्ने गरी सामाजिक सञ्जालमा झुटा साइट खोल्न वा सञ्चालन गर्न गराउनु हुँदैन ।
- ❖ एआईको प्रयोग गरी वा नगरी कुनै दल वा उम्मेदवारविरुद्ध कुनैपनि श्रव्य वा श्रव्यदृष्य सामग्री उत्पादन तथा प्रचारप्रसार गर्न गराउन हुँदैन ।
- ❖ निर्वाचन आचारसंहिता उल्लङ्घन भएको पाइए तत्काल निर्वाचन आयोग वा विज्ञापन बोर्डमा उजुरी गरौं ।

निर्वाचनलाई स्वच्छ र मर्यादित बनाउन सहयोग गरौं ।



चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं ।

- ❖ जाडो मौसममा शितलहर, हिमपात, हुस्सु तथा कुहिरो लाग्न सक्ने हुँदा अत्यधिक चिसो हुन सक्छ ।
- ❖ चिसोको कारण प्रदूषण बढ्ने गर्छ ।
- ❖ चिसो तथा प्रदूषणको कारण रुघा, खोकी, ज्वरो, सास फेर्न गाह्रो हुने तथा दम बढ्ने समस्या हुन सक्छ ।
- ❖ चिसो तथा प्रदूषणले मुटु, फोक्सो, मस्तिष्कलगायतका अङ्गमा गम्भीर असर पुग्न सक्छ ।
- ❖ बालबालिका, बुद्धबद्धा, गर्भवती महिला तथा दमका विरामीलाई गम्भीर असर पार्न सक्ने हुँदा धुलो, धुँवा तथा चिसोवाट बचौं र बचाऔं ।
- ❖ सकेसम्म घरभित्रै बसौं, निस्कनैपर्ने भए न्यानो कपडा लगाएरमात्र निस्कौं ।

कुनै समस्या परे चिकित्सकसंग परामर्श गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
हसुलिया, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४से घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाता सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँभोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगाँठ आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठगाँठ, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्ने, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा क्रमक्रममाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अपरेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

निसर्ग हस्पिटल
Advanced Healthcare for all...
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

जनरल फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु रोग विशेषज्ञ)	पेडियाट्रिक (बाल रोग विशेषज्ञ)	न्यूरो, मसिफक, जगा तथा मेडिचल रोग विशेषज्ञ	हृदजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोलोजिस्ट
हृदजोर्नी तथा नकारोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसुती रोग विशेषज्ञ	बकजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा आइसोड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुच, अनुत्पन्न तथा बच्चा रोग विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
घाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	न्यूरोला तथा न्युरोमि विशेषज्ञ	गुट्ट रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com | /nisargahospitalnepal

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं ।

जाडो तथा चिसोको समयमा:

- मौसमी रुघाखोकी, भाईरल ज्वरो, छातीको समस्या, दम, निमोनिया, भ्राडापखला, छाला सुख्खा हुने, जोर्नी दुखाई, पिनास, टन्सिल, हृदयघात लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखा पर्न सक्छन् ।
- बालबालिका, बुद्धबद्धा तथा दीर्घरोगीहरू बढी प्रभावित हुन सक्छन् ।
- चिसो मौसममा बाक्लो र न्यानो कपडा लगाऔं ।
- तातो, पोषिलो र भोलिलो खानेकुरा खाऔं र खुवाऔं ।
- शारीरिक व्यायाम गरौं, धुम्रपान/मद्यपान नगरौं ।
- घर तथा कोठा न्यानो बनाऔं ।
- नियमित घाम ताप्ने गरौं ।

स्वास्थ्यमा समस्या देखिए चिकित्सकको परामर्श लिऔं ।

गौरीगंगा नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
चौमाला, कैलाली

